तापमान
अधिकतम 39 .4 डिग्री
न्यूनतम 15 .6 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, बुधवार 15 अप्रैल 2026

शहर में आज
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे
- डीसी की अधिकारियों के साथ बैठक
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की संगठन को लेकर बैठक 12 बजे

मौत के बाद भी जिंदगी
15 साल बाद कुलदीप सिंह की आंखों से दुनिया देखेंगे दो लोग

- दस साल से डायलिसिस करा रहे कारोबारी को मिली किडनी
- रविवार को ब्रेन डेड घोषित किए गए थे सिपाही कुलदीप

विजय अहलावत ▶▶| रोहतक

जेल विभाग में कार्यरत रहे दिवंगत कुलदीप सिंह मौत के बाद भी दुनिया देख सकेंगे। उनकी आंखें दो व्यक्तियों को ट्रांसप्लांट की गई हैं। दोनों व्यक्ति 15-15 साल से दोनों आंखों से नहीं देख सकते थे और किसी से आंखें मिलने का इंतजार था। पीजीआईएमएस में चार घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद दोनों व्यक्तियों को कुलदीप सिंह की आंखें ट्रांसप्लांट की गई। जिससे दोनों मरीजों के चेहरों पर दुनिया देखने की खुशी दिखाई दी।

जानकारी के अनुसार, 51 वर्षीय कुलदीप सिंह एक साल से बीमार चल रहे थे। उन्हें ब्रेन ट्यूमर था। पीजीआईएमएस में उनका उपचार चल रहा था, जहां रविवार की सुबह उनके ब्रेन को डेड घोषित कर दिया गया था। इसके बाद उनके परिवार ने एक साहसिक और प्रेरणादायक निर्णय लेते हुए अंगदान के लिए सहमति दी। उनके लिवर, किडनी, आंखें और पैंक्रियाज डोनेट किए गए। उनकी आंखें और एक किडनी रोहतक पीजीआईएमएस को दी गई थी। ताकि किसी जरूरतमंद को अंग मिल सके। उनकी एक किडनी और पैंक्रियाज को एम्स दिल्ली भेजा गया, जबकि लिवर को आईएलबीएस दिल्ली पहुंचाया गया।

रोहतक। अंगदान में अहम भूमिका निभाने वाली सोटो हरियाणा की टीम के साथ वीसी डॉ एच के अग्रवाल व अन्य अधिकारी और किडनी ट्रांसप्लांट करने वाली पीजीआई के चिकित्सकों की टीम।

शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक ऑपरेशन

नेत्र विभाग की टीम ने सोमवार शाम करीब चार बजे से रात आठ बजे तक सफलतापूर्वक आंखें ट्रांसप्लांट करने की प्रक्रिया को अंजाम दिया। विशेष रूप से, उनकी दोनों आंखों ने दो ऐसे व्यक्तियों की जिंदगी बदल दी, जो पिछले कई वर्षों से अंधेपन का सामना कर रहे थे। क्षेत्रीय नेत्र विभाग के अध्यक्ष डॉ आरएस चौहान की टीम ने चार घंटे तक दोनों मरीजों का आप्रेशन किया। जो सफल रहा। टीम में डॉ अशोक राठी, डॉ ज्योति देशवाल, डॉ निधी शर्मा एवं अन्य चिकित्सक शामिल रहे।

अंग दान अन्य लोगों के लिए प्रेरणा बनेगा

डॉक्टरों के मुताबिक, दोनों मरीज लंबे समय से दृष्टिहीन थे और कई प्रयासों के बावजूद उन्हें रोशनी नहीं मिल पा रही थी। लेकिन कुलदीप सिंह के नेत्रदान के बाद सफल सर्जरी के जरिए अब उन्हें दुनिया देखने का अवसर मिला है। यह उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि अंगदान जैसी पहल समाज में जागरूकता फैलाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। कुलदीप सिंह और उनके परिवार का यह कदम न केवल अन्य लोगों के लिए प्रेरणा बनेगा, बल्कि अंगदान के प्रति लोगों की सोच को भी सकारात्मक दिशा देगा।

सात घंटे बाद मिला कुलदीप की किडनी से जीवनदान

जेल वार्डन कुलदीप सिंह की एक किडनी रोहतक पीजीआईएमएस को सौंपी गई थी। टीम ने सोमवार सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक यह जटिल ऑपरेशन करते हुए जरूरतमंद कारोबारी को किडनी ट्रांसप्लांट की। यह मरीज हरियाणा का ही रहने वाला है और दस साल से डायलिसिस पर है। इस वजह से उसका कारोबार भी बंद हो चुका है। उसे कई साल से किडनी की जरूरत थी और अब वह किडनी मिलने से सामान्य जीवन जीने लगेगा। मरीज के परिवार ने पीजीआईएमएस के डाक्टर्स का आभार जताया है। ऑपरेशन करने वाली टीम में नेफरोलॉजिस्ट डॉ अंकुर गोयल, सर्जन डॉ विवेक ठाकुर, सर्जन डॉ गौरव शंकर पांडे, कॉर्डिनेटर रोहित तंवर और एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. तरुण शामिल रहे।

अंगदान कर दूसरों का जीवन बचाएं

आमजन से अपील है कि सोटो कार्यालय में पहुंच कर अंगदान का शपथ पत्र भरे और अन्य लोगों को भी अंगदान के लिए जागरूक करें। ताकि किसी बहुमूल्य जीवन को बचाया जा सके। शरीर के अंग किसी फैक्ट्री में नहीं बनाए जा सकते, ऐसे में अंगदान की मानव जीवन को बचाने का एकमात्र उपाया है। अंगदान जैसा कोई महादान नहीं होता। **-डॉ. एचके अग्रवाल,** कुलपति, हेल्थ विवि रोहतक

आंखें मिलने से अब देश दुनिया देख पाएंगे

दोनों मरीज करीब 15 साल से देख नहीं सकते थे। चोट और संक्रमण के कारण उनकी आंखों की ज्योति चली गई थी। उन्हें काफी समय से आंखों का इंतजार था। अब उन्हें कुलदीप की आंखों ट्रांसप्लांट कर दी गई हैं। आपरेशन सफल रहा और दोनों व्यक्ति दुनिया को कुलदीप की आंखों से देख रहे हैं। **-डॉ. आरएस चौहान,** नेत्र विभाग के अध्यक्ष

खबर संक्षेप

बाइक चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। मोटरसाइकिल चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सुमित उर्फ छोटू निवासी सिरसा खेड़ी, जिला जींद के रूप में हुई है। थाना सिविल लाइन में लाखनमाजरा निवासी मोनु की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था।

40 हजार की ठगी में गिरोह का सदस्य काबू

रोहतक। इंस्टाग्राम के जरिए 40 हजार रुपये की ठगी के मामले में पुलिस ने गिरोह से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मुस्तकीम निवासी राजस्थान के रूप में हुई है। थाना लाखनमाजरा में चिड़ी निवासी किताब की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, उसने इंस्टाग्राम पर गाय खरीदने का विज्ञापन देखकर आरोपी से संपर्क किया और 30 हजार में सौदा तय हुआ, लेकिन आरोपी ने अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 40 हजार रुपये ठग लिए।

डंपिंग एरिया में आग गोशाला का चारा बचा

सांपला। कस्बे के डंपिंग एरिया में मंगलवार को आग लग गई। सूचना के बावजूद फायर ब्रिगेड देरी से पहुंची, जिसके बाद कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया गया। पास स्थित गौशाला में 400 गोवंश मौजूद थे और चारा गोदाम मात्र 10 फुट दूर होने के बावजूद सुरक्षित रह गया।

जगी उम्मीद
कोर्ट कॉम्पलेक्स के लिए भैयापुर ने दिया ऑफर

सरपंच बोलीं-हमारे यहां बनाओ कोर्ट कॉम्पलेक्स, हमसे खरीदो जमीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की जमीन पर प्रस्तावित कोर्ट कॉम्पलेक्स को लेकर विवाद जारी है। विश्वविद्यालय प्रशासन, कर्मचारियों और छात्र संगठन एक स्वर में साफ इंकार चुके हैं। इनका कहना है कि एक इंच भी जमीन नहीं देंगे। वहीं दूसरी ओर, मंगलवार को भैयापुर पंचायत ने पहल करते हुए एक खुला पत्र लिखा। इसमें सरपंच ने कहा कि पंचायत प्रशासन को कोर्ट कॉम्पलेक्स बनाने के लिए जमीन देने को तैयार है। ध्यान रहे कि गत सोमवार को नॉन-टीचिंग यूनियन और छात्रों के संयुक्त मोर्चे की बैठक में जमीन देने के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया गया था। इस मौके पर यूनियन प्रधान सुरेश कौशिक की अध्यक्षता में हुई बैठक में कहा गया था कि विश्वविद्यालय की जमीन केवल शैक्षणिक और संस्थागत विकास के लिए है, किसी बाहरी परियोजना के लिए नहीं।

1 एमडीयू ने अपने परिसर को बताया अनुपयुक्त, भैयापुर पंचायत ने विकल्प पेश किया

2 खींचतान के बीच पंचायत ने आगे बढ़कर दिया प्रस्ताव, एक तरफ विरोध, दूसरी तरफ स्वेच्छा से जमीन देने का प्रस्ताव

हमारी जमीन बेहतर विकल्प

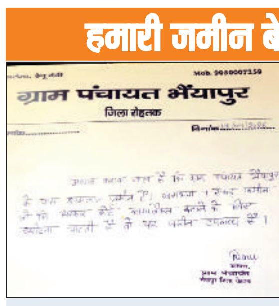

इसी बीच भैयापुर पंचायत ने मंगलवार को जिला प्रशासन को एक खुला पत्र भेजकर कोर्ट कॉम्पलेक्स के लिए अपनी जमीन देने की पेशकश की है। पंचायत का दावा है कि उनके पास रिंग रोड के साथ करोड़ों रुपये मूल्य की उपयुक्त जमीन उपलब्ध है, जो इस परियोजना के लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। महिला सरपंच रेणू के मुताबिक यह स्थान रोहतक-पानीपत, सोनीपत, हिसार, जींद और दिल्ली रोड से सीधा जुड़ा हुआ है, जिससे लोगों के आवागमन में आसानी होगी और शहर के अंदर लगने वाले जाम से भी राहत मिलेगी। पंचायत का कहना है कि कोर्ट कॉम्पलेक्स यदि शहर के बाहरी हिस्से में विकसित होता है तो इससे ट्रैफिक का दबाव कम होगा और आम नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी। यह प्रस्ताव न केवल प्रशासन के लिए व्यावहारिक विकल्प प्रस्तुत करता है, बल्कि शहर के दीर्घकालिक ट्रैफिक प्रबंधन में भी सहायक साबित हो सकता है।

हम जमीन देने को तैयार

हमारी पंचायत के पास 7 एकड़ जमीन उपलब्ध है। सरकार यदि कोर्ट कॉम्पलेक्स बनाना चाहती है तो इस जमीन का अधिग्रहण कर सकती है। पंचायत को इस पर कोई एतराज नहीं है। इससे क्षेत्र के विकास के साथ लोगों को भी सुविधा मिलेगी। प्रशासन ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से टकराव की बजाय हमारी जमीन का प्रयोग कर लेना चाहिए। **-रेणू, सरपंच,** ग्राम पंचायत भैयापुर

यूनिवर्सिटी अब लामबंद

विश्वविद्यालय परिसर में हालात लगातार गर्म होते जा रहे हैं। हाल ही में लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तावित स्थल से मिट्टी के सैंपल लिए जाने के बाद कर्मचारियों और छात्रों का विरोध और तेज है। इसे निर्माण की प्रारंभिक तैयारी के रूप में देखा जा रहा है, जिससे विश्वविद्यालय समुदाय में असंतोष बढ़ा है। ध्यान ये भी रहे कि गौरतलब है कि इससे पहले भी विश्वविद्यालय परिसर में गोशाला निर्माण के प्रस्ताव को कर्मचारियों और छात्रों के विरोध के चलते वापस लेना पड़ा था। अब एक बार फिर इतिहास खुद को दोहराता नजर आ रहा है। भैयापुर पंचायत द्वारा जमीन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से इस पूरे घटनाक्रम पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन भैयापुर पंचायत के प्रस्ताव और विश्वविद्यालय के कड़े विरोध के बीच प्रशासन के सामने अब नई चुनौती खड़ी हो गई है कि वह जनहित, शैक्षणिक हित और शहरी विकास के बीच संतुलन कैसे बनाए।

विवि किसी भी सूरत में जमीन नहीं देगा

विश्वविद्यालय की जमीन को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। कर्मचारियों और छात्र संगठनों ने साफ संकेत दे दिए हैं कि वे किसी भी सूरत में जमीन देने के पक्ष में नहीं हैं। पूर्व प्रधान दिलबाग मलिक, फूल कुमार बोहत, निरंजन निन्नी और कुलवंत मलिक ने भी कौशिक की हां में हां मिलायी थी। इसके बाद से कर्मचारियों के हौसले बुलंद हैं।

डीसी को अवगत करा दिया जाएगा

छात्र संगठन इंडियन नेशनल स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप देशवाल ने दो टूक कहा था कि यह जमीन आने वाले समय में नए विभागों, शोध केंद्रों और छात्र सुविधाओं के विस्तार के लिए जरूरी है। कर्मचारी कह रहे हैं कि इस बारे में डीसी को अवगत करा दिया जाएगा।

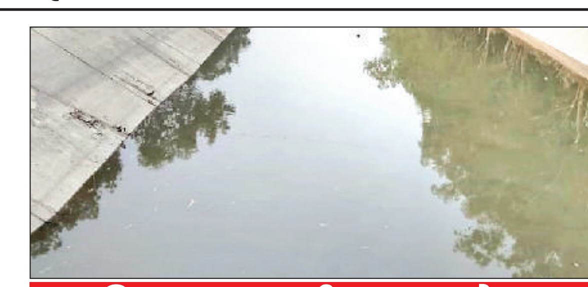

10 दिन बाद पानी संकट में राहत
जेएलएन नहर में 500 क्यूसेक पानी पहुंचा

कहीं दूषित तो कहीं एक समय ही मिल रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में पिछले करीब दस दिनों से जारी पेयजल संकट ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। कई इलाकों में लोगों को या तो एक समय ही पानी मिल रहा है या फिर सप्लाई में दूषित पानी आने की शिकायतें सामने आ रही हैं। हालात इतने खराब हो गए कि लोगों को बार-बार मोटर चलाकर यह जांच करनी पड़ रही है कि पानी की सप्लाई आई भी है या नहीं। अब कुछ राहत के संकेत मिले हैं। जेएलएन नहर में 500 क्यूसेक पानी आने के बाद जनस्वास्थ्य विभाग ने नहर से पानी को रजवाहे के जरिए लिफ्ट करना शुरू कर दिया है। विभाग का दावा है कि रातभर पानी लिफ्ट किए जाने के बाद अब शहरवासियों को नियमित रूप से सुबह और शाम दोनों समय पानी उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि मंगलवार को भी स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी। शहर के अधिकांश घरों में लोगों को एक समय भी पानी नसीब नहीं हुआ। इससे लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। कई परिवारों को मजबूरी में टैंकर मंगवाने पड़े या आसपास के क्षेत्रों से पानी की व्यवस्था करनी पड़ी। जल संकट का असर शहर के जलघरों पर भी साफ नजर आया। मानसरोवर पार्क के सामने स्थित जलघर की एक डिग्गी पूरी तरह खाली हो चुकी है।

जल्द मिलेगी सप्लाई

जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नहर में पानी आने के बाद सप्लाई को धीरे-धीरे सामान्य किया जा रहा है। पाइपलाइन में प्रेशर बनने और टंकियों के भरने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन जल्द ही व्यवस्था पटरी पर लौटने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए स्थायी समाधान किया जाए। साथ ही, दूषित पानी की समस्या को भी गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच कर आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि लोगों को स्वच्छ और नियमित पेयजल मिल सके।

खेत में करंट लगने से किसान की मौत

- रात में सिंचाई करने गया था किसान, सुबह परिजनों ने देखा
- दो छोटे बच्चों के सिर से उठा पिता का साया, गांव में शोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव सुनारिया कलां में एक दर्दनाक हादसे में 45 वर्षीय किसान की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक का शव खेतों में पानी की मोटर के पास पड़ा मिला। घटना का पता उस समय चला जब परिजन सुबह खेत में पहुंचे और उसे अचेत अवस्था में देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान राम दर्शन पुत्र लख्मीचंद के रूप में हुई है, जो रोजाना की तरह रात के समय खेत में फसल को पानी देने गया था। बताया जा रहा है कि गांव में निर्धारित समय के अनुसार रात करीब 10 बजे बिजली आपूर्ति शुरू होती है, जिसके चलते किसान रात में ही मोटर चलाकर सिंचाई करते हैं। इसी दौरान यह हादसा हुआ। राम दर्शन अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है, जिनकी उम्र करीब 10 और 12 साल बताई जा रही है। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में भी इस हादसे के बाद शोक का माहौल बना हुआ है और लोग परिजनों को ढांढस बंधा रहे हैं। मौके पर पहुंची शिवाजी कॉलोनी पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी।

गेहूं की फसल तैयार खड़ी थी

परिजनों के अनुसार राम दर्शन के पास अपनी जमीन नहीं थी और वह करीब साढ़े सात एकड़ जमीन ठेके पर लेकर खेती करता था। इन दिनों उसकी गेहूं की फसल तैयार खड़ी थी और कटाई का समय नजदीक था। परिवार की पूरी आजीविका इसी खेती पर निर्भर थी।

मायना में संदिग्ध हालत में युवक की मौत

रोहतक। गांव मायना में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक ने आत्महत्या की है, हालांकि इसके पीछे के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। परिजनों के अनुसार, युवक घर पर ही था जब यह घटना हुई। जब परिवार के सदस्यों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। टीम इंचार्ज डॉ. सरोज दहिया ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच की जा रही है। परिजनों और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि युवक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया। शव के पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

इंतजार पिछले साल जिन किसानों की फसलें जलीं उन्हें अब तक नहीं मिला मुआवजा

जिला प्रशासन नहीं जुटा सका 14 लाख

- फसल बचाते समय किसान सतीश के पैर झुलस गए थे
- मंगलसेन भी फसल जलने के बाद समय सदमे में रहे

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

ये कहानी गांव काहनौर के किसान एवं पूर्व सरपंच सतीश और मंगलसेन की ही नहीं है। लाहली, भैणी सुरजन, बैंसी और इस्माइला की भी है। सतीश और मंगलसेन के पिछले साल गेहूं की 9 एकड़ फसल पिछले साल जल गई थी। लेकिन इनको अभी तक प्रशासन की तरफ से आर्थिक मदद नहीं मिली है। अब किसान अपनी-अपनी व्यथा ठीक एक साल बाद हरिभूमि से साझा कर रहे हैं। ये गेहूं फसल के उसी राख के ढेर को याद कर रहे हैं। सतीश की आंखें भर आयी हैं। इनका कहना है कि सोचा था इस बार कर्ज उतर जाएगा, घर की हालत सुधर जाएगी। पर सब कुछ एक ही झटके में खत्म हो गया, वे धीमी आवाज में कहते हैं। फसल बचाने के लिए ये जब जलते खेत में ट्रेक्टर चला रहे थे तो उनके पैर झुलस भी गए थे। तीन चार लाख रुपये इलाज पर खर्च हुए। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा घटना के बाद घर पर हाल-चाल जानने के लिए आए। लेकिन आज तक सरकारी आर्थिक मदद नहीं पहुंची। जोकि वैसे भी काफी कम भी होती है। मंगलसेन फसल जलने के बाद काफी दिनों तक सदमे में रहे। लेकिन अब इनका अब सकुशल हैं।

रोहतक। फसल को आग से बचाते हुए सतीश के पैर झुलस गए थे।

रोहतक। किसान सतीश

किसान मंगलसेन

मिलते हैं 15 हजार रुपये प्रति एकड़

ध्यान रहे कि एक एकड फसल आगे से जल जाती है तो सरकार पीड़ित किसान को 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रति एकड़ करती है। ये मुआवजा नहीं होता है। ताकि किसान को विपदा में थोड़ी सी मदद मिले। जिले में पिछले साल 94 एकड़ गेहूं आग से स्वाह हुई थी। 15 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से देखें तो 1410000 रुपये बनते हैं।

कब लगेगा महरम

सतीश के शब्द भी जैसे उनका साथ छोड़ चुके हैं। ये बताते हैं कि आग के बाद कई दिनों तक वे सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटते रहे। हर बार एक नई उम्मीद लेकर जाते, लेकिन लौटते वक्त हाथ खाली ही रहते। कभी फाइल अटकी बताई, कभी सर्वे अधूरा। बस तारीख पर तारीख मिलती रही। वे थके हुए स्वर में कहते हैं। अधिकारी कहते हैं कि सरकार से बजट मांगा गया है। जब पैसा मिलेगा तो खातों में जमा करा दिया जाएगा। प्रशासनिक मरहम उन्हें कब लगेगा।

मुझे उम्मीद नहीं

मंगलसेन कहते हैं कि प्रति एकड़ उसे करीब 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ था, लेकिन सरकार ने आज तक 15 हजार रुपये भी नहीं दिए। उन्हें आर्थिक मदद की उम्मीद थी, लेकिन वह सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई। प्रयास करना भी छोड़ दिया है। इनका कहना है कि फसल जलने से सिर्फ आय नहीं जाती, बल्कि कर्ज और घर की जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। ऐसे में समय मुझे मुआवजा न मिलना दोहरी मार साबित होता है।

किसानों को पैसे का इंतजार

यह कहानी सिर्फ कलानौर के दो किसानों की नहीं है। लाहली में 16 एकड़, भैणी सुरजन में 6 , बैंसी में 40और इस्माइला में 23 एकड़ गेहूं आग ने तबाही मचाई थी। इन गांवों के किसान भी सतीश और मंगलसेन की तरफ आर्थिक मदद के इंतजार में हैं। समय आगे बढ़ता है, लेकिन राहत पीछे छूट जाती है। फसल जलने के बाद किसान सिर्फ अनाज नहीं खोता, वह अपनी आर्थिक रीढ़ खो देता है। कर्ज का बोझ, घर की जिम्मेदारियां और अगली फसल की तैयारी एक साथ सिर पर आ गिरती हैं। ऐसे में अगर मुआवजा समय पर न मिले, तो हालात और भी कठिन हो जाते हैं। ध्यान रहे कि बीते रविवार को गांव लाढ़ौत में फिर से गेहूं की फसल आग की भेंट चढ़ गई।

दो दिन की गर्मी से चमकी मंडी, गेहूं खरीद ने पकड़ी रफ्तार

सांपला। अनाज मंडी में दो दिनों की तेज गर्मी और साफ मौसम ने गेहूं खरीद को नई गति दे दी है। पिछले कई दिनों से नमी के कारण सुस्त पड़ी खरीद प्रक्रिया अब तेजी से आगे बढ़ने लगी है, जिससे मंडी में रौनक लौट आई है। मंडी में अब तक करीब 4 लाख 18 हजार क्विंटल गेहूं की आवक दर्ज की जा चुकी है। पहले नमी अधिक होने के चलते खरीद एजेंसियां सतर्कता बरत रही थीं, जिससे किसानों को इंतजार करना पड़ रहा था। लेकिन बीते दो दिनों से तेज धूप निकलने के कारण गेहूं की नमी में गिरावट आई है और खरीद ने रफ्तार पकड़ ली है। मार्किट कमेटी सचिव सविता सैनी के अनुसार अब तक लगभग 1 लाख 38 हजार क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। मौसम अनुकूल रहने से आने वाले दिनों में खरीद और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। मंडी में सक्रिय आढ़तियों का कहना है कि मौसम साफ रहने से किसानों को भी राहत मिली है और वे अपनी फसल लेकर तेजी से मंडी पहुंच रहे हैं। खरीद में तेजी के बीच उठान की गति अभी धीमी बनी हुई है, लेकिन प्रशासन का कहना है कि जल्द ही इस प्रक्रिया को तेज किया जाएगा।

किसानों को मिल रहीं सुविधाएं : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अनाज मंडियों में रबी खरीद सीजन के तहत गेहूं और सरसों की खरीद व उठान का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मंडियों में आने वाले किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो व पूरी प्रक्रिया पारदर्शी व व्यवस्थित ढंग से चले। डीसी ने मंगलवार को सांपला अनाज मंडी का औचक निरीक्षण कर गेहूं की खरीद, उठान और गेट पास व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। जिले की विभिन्न मंडियों में गेहूं की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों की खरीद 6200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से जारी है। अब तक जिले में 48,928.40 मीट्रिक टन गेहूं और 1468 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की जा चुकी है।

एमडीयू में शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने किया स्वागत

प्रो. बंसल ने संभाला कुलसचिव का कार्यभार, पारदर्शी प्रशासन का वादा

कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए टीमवर्क के साथ काम करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी (मदवि) में मंगलवार को नवनियुक्त कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल ने कुलपति प्रो. मिलाप पुनिया की उपस्थिति में कुलसचिव पद का कार्यभार संभाल लिया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरी गर्मजोशी से कुलसचिव का स्वागत किया। कार्यभार संभालने के बाद प्रो. संदीप बंसल ने कहा कि उनकी प्राथमिकता प्रशासन को पारदर्शी, जवाबदेह और छात्र हितैषी बनाना होगी। विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए टीमवर्क के साथ काम किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व रजिस्ट्रार डॉ. कृष्णकांत भी मौजूद रहे। उन्होंने प्रो. बंसल को शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर प्रो. बंसल की पत्नी राखी गुप्ता भी उपस्थित रहीं।

रोहतक। कार्यभार संभालते हुए नवनियुक्त कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल।

पूर्व कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत को विदाई

महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में पूर्व कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत को विदाई दी गई। विदाई समारोह में कुलपति प्रो. मिलाप पुनिया, नवनियुक्त कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल, शिक्षकों, अधिकारियों तथा गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने संख्या में भाग लिया। कुलपति प्रो. मिलाप पुनिया ने डॉ. कृष्णकांत के योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके कार्यकाल की सराहना की। नवनियुक्त कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल ने भी डॉ. कृष्णकांत के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित की गई प्रशासनिक परंपराएं आगे भी विश्वविद्यालय को लाभ पहुंचाएंगी। उन्होंने कहा कि डॉ. कृष्णकांत ने टीम भावना के साथ कार्य करते हुए सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का कार्य किया।

रिटौली-कबूलपुर की गैंगवार ने बढ़ाई समस्या बंटेगा थाना क्षेत्र तो सुधरेगी कानून व्यवस्था

एक थाना...70 हजार आबादी व बढ़ता अपराध बड़ी चुनौती

अब सुनारियां में बनेगा नया पुलिस स्टेशन, क्षेत्र दो हिस्सों में बांटा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के शिवाजी कॉलोनी थाना क्षेत्र की कहानी अब बदलाव की ओर बढ़ रही है। वर्षों से एक ही थाने के भरोसे चल रही करीब 70 हजार से ज्यादा आबादी को अब राहत मिलने वाली है। गांव सुनारिया में नए थाने के निर्माण की योजना ने पुलिसिंग सिस्टम को नई दिशा देने का काम किया है। बढ़ते अपराध, गैंगवार और लंबित मामलों के बीच यह फैसला बेहद अहम माना जा रहा है। दरअसल, मौजूदा समय में शिवाजी कॉलोनी थाना क्षेत्र का दायरा इतना बड़ा हो चुका है कि पुलिस के लिए हर जगह समय पर पहुंचना मुश्किल हो रहा था। शहर की कॉलोनियों से लेकर दूर-दराज के गांवों तक फैले इस एरिया में अपराध नियंत्रण एक बड़ी चुनौती बन गया था। खासकर गांव रिटौली और कबूलपुर में गैंगवार की घटनाएं लगातार पुलिस के लिए सिरदर्द बनी हुई हैं।

बहुत बड़ा एरिया

शिवाजी कॉलोनी का एरिया बहुत बड़ा है। जिसके कारण अपराध के मामले सुलझाने में बहुत परेशानी होती है। इसलिए गांव सुनारिया में नया थाना बनाया जाएगा और एरिया को दो हिस्सों में बांटा जाएगा। इसके अपराध पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

-गौरव राजपुरोहित, एसपी रोहतक।

अपराधियों पर लगाम लगेगी

लोगों का मानना है कि नया थाना बनने से न केवल अपराधियों पर लगाम लगेगी, बल्कि पुलिस और जनता के बीच तालमेल भी बेहतर होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में खासतौर पर पुलिस की पहुंच मजबूत होने से छोटी घटनाओं को भी समय रहते रोका जा सकेगा।

काम आसान होगा

नया थाना बनने के बाद पूरे क्षेत्र को दो हिस्सों में बांटा जाएगा। इससे जहां एक ओर पुलिस का काम आसान होगा, वहीं आम लोगों को भी सुरक्षा का बेहतर माहौल मिलेगा। अधिकारियों का मानना है कि छोटे क्षेत्र में बेहतर निगरानी और त्वरित कार्रवाई संभव हो पाएगी।

- एक थाने में 70 हजार से ज्यादा आबादी
- रिटौली-कबूलपुर में बढ़ती गैंगवार
- अपराध पर नियंत्रण में आ रही दिक्कत
- पुलिस रिस्पॉन्स टाइम में देरी
- लंबित मामलों का बढ़ता बोझ

गांवों की भी लंबी सूची

शिवाजी कॉलोनी थाना क्षेत्र में शामिल कॉलोनियों और गांवों की लंबी सूची भी इस फैसले की जरूरत को साफ दर्शाती है। जनता कॉलोनी, विजय नगर, कमला नगर, आजाद नगर, अंबेडकर कॉलोनी, छोटूराम कॉलोनी, काठमंडी, रामनगर, शुगर मिल कॉलोनी, न्यू अनाज मंडी, सब्जी मंडी जैसे घनी आबादी वाले इलाके इसी थाने के अंतर्गत आते हैं। वहीं रिटौली, कबूलपुर, करौंथा, मायना, शिमली, सुनारिया कलां और खुर्द जैसे गांव भी इसी क्षेत्र में शामिल हैं।

किन क्षेत्रों को मिलेगा सीधा फायदा

- गांव सुनारियां कलां व खुर्द
- रिटौली, कबूलपुर, बालंद
- करौंथा, मायना, शिमली
- पहरावर और आसपास के क्षेत्र
- सुनारिया जेल और कॉम्प्लेक्स

रात के समय होने वाली वारदातों में अक्सर पुलिस की देरी से पहुंचने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। ऐसे में सुनारियां में नया थाना बनने से पुलिस की प्रतिक्रिया समय में सुधार होगा और संवेदनशील क्षेत्रों पर ज्यादा फोकस किया जा सकेगा।

एमडीयू में अधिकारी का विदाई समारोह बना चर्चा का विषय, मौजूदगी और गैर-मौजूदगी पर सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एमडीयू में वरिष्ठ अधिकारी के सम्मान में आयोजित विदाई समारोह कई मायनों में चर्चा का विषय बन गया। जहां एक ओर कार्यक्रम में कुछ चुनिंदा अधिकारियों और प्रोफेसरों की सक्रिय मौजूदगी देखने को मिली, वहीं दूसरी ओर कई अहम चेहरे आयोजन से दूरी बनाए हुए नजर आए। समारोह में शामिल होने वालों की सूची को लेकर भी अंदरखाने चर्चाएं गर्म रहीं। विवि के कुछ अधिकारी व कर्मचारी अपने-अपने कार्यालयों में बैठकर आमंत्रण का इंतजार करते रहे, लेकिन उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर नहीं मिला। इससे आयोजन की पारदर्शिता और समावेशिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

तथाकथित किचन कैबिनेट की खासतौर पर चर्चा

कार्यक्रम के दौरान विवि की तथाकथित किचन कैबिनेट की भूमिका खासतौर पर चर्चा में रही। जिस व्यक्ति को करीब एक वर्ष पहले एमडीयू का जनसंपर्क सुदृढ़ करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, वह विदाई समारोह में कहीं नजर नहीं आया। उनकी अनुपस्थिति ने कई सवाल खड़े किए, खासकर तब जब विवि की छवि और संवाद व्यवस्था से जुड़ी जिम्मेदारी उन्हीं के पास है। दिलचस्प यह रहा कि उनका अधीनस्थ अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहा और सक्रिय भी दिखा।

कुछ प्रोफेसर नव नियुक्त अफसरों के इर्द-गिर्द ही दिखे

कुछ प्रोफेसर पूरे आयोजन के दौरान नव नियुक्त अधिकारियों के इर्द-गिर्द सक्रिय नजर आए। उनकी गतिविधियों को लेकर यह भी चर्चा रही कि विश्वविद्यालय में अधिकारी बदलते रहते हैं, लेकिन प्रभावशाली समूह यानी किचन कैबिनेट की भूमिका लगभग स्थिर बनी रहती है। दिलचस्प पहलू यह भी रहा कि जिस अधिकारी को विदाई दी जा रही थी, उसे औपचारिक रूप से दो अधिकारियों द्वारा विदाई दी गई। हालांकि, इस दौरान विश्वविद्यालय के जनसंपर्क से जुड़े एक प्रोफेसर की अनुपस्थिति ने कई लोगों को हैरान किया, जबकि उनकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय और समाज के बीच संवाद को मजबूत करना मानी जाती है। इसके उलट, जनसंपर्क अधिकारी और एक पूर्व जनसंपर्क शिक्षक कार्यक्रम में मौजूद रहे और पूरे आयोजन के दौरान सक्रिय भूमिका निभाते दिखाई दिए। **अंदरूनी माहौल को गर्म :** एक संगठन के पदाधिकारियों को भी विदाई समारोह में उस समय आमंत्रित नहीं किया गया, जब किचन कैबिनेट के सदस्य और उनके वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम का संचालन कर रहे थे। इसे लेकर संबंधित संगठन में असंतोष की भावना भी सामने आ रही है। विदाई ले रहे अधिकारी के साथ कार्यक्रम में वही चेहरे अधिकतर नजर आए, जो उनके कार्यकाल के दौरान भी उनके करीबी माने जाते रहे हैं। कुल मिलाकर, यह विदाई समारोह जहां औपचारिक रूप से एक प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा था, वहीं इसके आयोजन और स्वरूप ने विवि के अंदरूनी माहौल को गर्म कर दिया है।

खैरड़ी में आंबेडकर प्रतिमा विवाद : नई मूर्ति रखी, अनावरण पर अड़ा समाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कलानौर क्षेत्र के गांव खैरड़ी में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को लेकर विवाद गहरा गया है। कुछ दिन पहले प्रतिमा तोड़े जाने की घटना के बाद अब नई मूर्ति लगाने और उसके अनावरण को लेकर पंचायत और स्थानीय समाज के बीच मतभेद सामने आए हैं। गांव खैरड़ी के सद्भावना स्थल पर पहले से ही बाबा साहेब और सर छोटूराम की प्रतिमाएं स्थापित थीं। 8 अप्रैल की रात करीब 10 बजे अज्ञात शरारती तत्वों ने बाबा साहेब की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना से गांव में तनाव का माहौल बन गया। घटना के विरोध में एससी समाज के लोगों ने धरना शुरू कर दिया। इसी बीच, बाबा साहेब की जयंती पर पारंपरिक कार्यक्रमों की बजाय सद्भावना स्थल पर गोष्ठी आयोजित की गई और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई गई। इसी दौरान पंचायत की ओर से नई प्रतिमा मंगवाकर उसे स्थापित करने की कोशिश की गई। यह कदम प्रशासन के दबाव में उठाया गया था। हालांकि, धरने पर बैठे समाज के लोगों ने इस पहल का विरोध कर दिया और स्पष्ट कर दिया कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक अनावरण नहीं किया जाएगा।

प्रतिमा स्थापित करना समस्या का समाधान नहीं

गुरु रविदास सभा के प्रधान प्रदीप कुमार ने कहा कि समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और बिना न्याय के केवल प्रतिमा स्थापित करना समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने बताया कि पंचायत द्वारा लाई गई नई मूर्ति को फिलहाल सद्भावना स्थल पर अस्थायी रूप से रख दिया गया है। पंचायत जहां जयंती के अवसर पर प्रतिमा का अनावरण करवाना चाहती थी, वहीं धरने पर बैठे लोगों ने विरोध किया। इस दौरान कुछ लोगों के बीच बहस भी हुई, लेकिन बाद में स्थिति को संभाल लिया गया। वहीं, समाज के प्रतिनिधियों ने इस मामले में पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

89 मरीजों का नि:शुल्क चेकअप

रोहतक। अथर्व आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल सोनीपत रोड़ रोहतक की ओर से गांव सुनडाना में एक निशुल्क आयुर्वेदिक मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ संजीव मदान ने बताया कि उक्त कैंप में अथर्व आयुर्वेद के पंचकर्म, स्त्री रोग, गुदा रोग, हड्डी जोड़ों के स्पेशलिस्टों ने मरीजों की निशुल्क जांच की। कैंप की कमान संभाली जोगेंद्र सुनडाना और बहुत से ग्राम निवासियों ने जो पहले अथर्व आयुर्वेद से इलाज करवाकर ठीक हो गए। कैंप में डॉ संजीव मदान, डॉ सुमित सैनी, डॉ शुभम सैनी, डॉ शिनी शर्मा ने 89 रोगियों की निशुल्क जांच की एवं जन साधारण को आहार विहार के रास्ते निरोग रहने के उपाय भी बताए। रोगियों के फ्री बीपी शुगर की जांच साहिल, सुमित, नरेश, पंकज ने की। सभी रोगियों को निशुल्क दवाएं देने में सहायता की शिल्पा, सोनिया, ललिता ने। ग्रामीणों के उत्साह को देखते हुए अथर्व आयुर्वेद ने भविष्य में भी इसी तरह के समाज सेवा के कार्यों का आश्वासन दिया।

स्पोर्टेक 2026: तीसरे दिन खेलों में जोश कबड्डी और भारोत्तोलन में दिखा दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राठी आई हॉस्पिटल के प्रायोजन में आयोजित स्पोर्टेक 2026 के तीसरे दिन मदवि का यूआईईटी परिसर खेल उत्साह और प्रतिस्पर्धा से सराबोर रहा। संयोजक डॉ. योगेश अहलावत के मार्गदर्शन में सभी प्रतियोगिताओं का सुचारु संचालन किया गया। दिनभर आयोजित खेलों में भारोत्तोलन, बैडमिंटन, लॉन टेनिस व कबड्डी में करीब 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया। भारोत्तोलन में 20 से अधिक प्रतिभागियों ने ताकत व सहनशक्ति का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले में सीएससी द्वितीय वर्ष के मिशांत ने 309.51 अंक के साथ पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि तृतीय वर्ष के सागर 286.88 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। छात्राओं में इलेक्ट्रिकल द्वितीय वर्ष की नेहा ने 128.5 अंक के साथ बाजी मारी। लॉन टेनिस में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कई रोमांचक मुकाबलों के बाद बायोटेक्नोलॉजी तृतीय वर्ष के आकाशर्क और सिविल द्वितीय वर्ष के आर्यन सिवाच ने फाइनल में जगह बनाई। दोनों खिलाड़ियों ने संयम और रणनीति का बेहतरीन परिचय दिया।

कबड्डी प्रतियोगिता दिन का सबसे आकर्षक केंद्र रही

कबड्डी प्रतियोगिता दिन का सबसे आकर्षक केंद्र रही, जिसमें 100 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। पुरुष वर्ग में 9 टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। वहीं छात्राओं के वर्ग में 4 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल में मैकेनिकल टीम ने 36 अंक हासिल कर जीत दर्ज की, जबकि सीएससी टीम 17 अंकों के साथ उपविजेता रही। स्पोर्टेक का तीसरा दिन टीम भावना, दृढ़ता और एकता का संदेश देता नजर आया। आयोजकों ने राठी आई हॉस्पिटल के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

महम। जयंती समारोह के दौरान जनप्रतिनिधियों को सम्मानित करते छात्र संगठन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

डीएससी छात्र संघ ने महम में चौबीसी चबूतरे पर मनाई बाबा साहेब की जयंती

महम। चौबीसी चबूतरे पर डीएससी छात्र संघ ने डॉ. भीम राव अंबेडर की जयंती धूमधाम से मनाई। इस दौरान बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने को कहा। डीएससी छात्र संघ ने सरकार से मांगें पूरी करने का आग्रह किया। डीएससी छात्र संगठन ने की ओर से कहा गया कि डीएससी एक्ट लागू किया जाए। एचपीएससी में उनके समाज के अधिकारी लिए जाएं। मौके पर मान बाल्मीकि, देवीदास बाल्मीकि, धर्मबीर डाबला, सुल्तान खटक, गुरमेल डाभी, मनीषा बिढला, सुरेंद्र पांचाल, फतेह सिंह, मीना देवी व रमेश धानक मौजूद थे।

ग्रामीणों को 130 रुपये में मिलेगा वाटर एटीएम कार्ड, 100 रुपये में रिचार्ज होगा एटीएम कार्ड

यूको बैंक पंचकूला ने ग्राम विकास समिति मदीना गिंधराण के आग्रह पर गांव को दी सौगात

अब एटीएम कार्ड से निकलेगा पीने का पानी, यूको बैंक ने मदीना में दो वाटर एटीएम मशीन लगाईं

- मात्र 30 पैसे प्रति लीटर के हिसाब से ग्रामीणों को मिलेगा स्वच्छ पेयजल
- बैंक के बड़े अधिकारी जल्द ही योजना का उद्घाटन करने महम आएंगे

राज कुमार नरवाल ▶▶| महम

एटीएम मशीन में जैसे हम एटीएम कार्ड डालकर नोट निकालते हैं। वैसे ही अब मदीना गांव के लोग वाटर एटीएम मशीन में एटीएम कार्ड डालकर पीने का पानी निकालेंगे। यूको बैंक ने इस गांव में दो आरओ प्लांट लगवाए हैं। ग्रामीणों को 130 रुपए में वाटर एटीएम कार्ड लेना होगा। उसके बाद उसे 100 रुपये में रिचार्ज करवाना होगा।

ग्रामीणों को मात्र 30 पैसे प्रति लीटर के हिसाब से पेयजल मिलेगा। इस योजना को लेकर ग्रामीणों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। योजना शुरू होने से पहले ही गांव के 130 लोगों ने वाटर एटीएम कार्ड खरीद लिए हैं।

88 लोगों ने इस कार्ड को रिचार्ज भी करवा लिया है। ट्रायल के तौर पर 14 मार्च से इन प्लांट को चालू कर दिया गया है। दोनों आरओ प्लांट पर 200 कार्ड जारी किए जाएंगे। डिमांड बढ़ने पर और भी एटीएम कार्ड बनाए जा सकेंगे। दोनों आरओ प्लांट को प्राइवेट ट्यूबवैल और जनस्वास्थ्य विभाग की पेयजल पाइप लाइन से जोड़ा गया है। मदीना गांव में तैयार किए गए ये इन दोनों आरओ प्लांट की सौगात यूको बैंक पंचकूला ने ग्रामीणों को दी है।

महम। मदीना में आरओ प्लांट में लगाई गई मशीनें तथा पेयजल प्रोजेक्ट की जानकारी देते ग्राम विकास समिति मदीना गिंधराण के प्रधान जयभगवान दांगी और दीवार पर दिखाई दे रहे इस छेद में एटीएम कार्ड रखना है। तभी नीचे दिखाई दे रही इस टोंटी से आएगा पीने का पानी। फोटो : हरिभूमि

दीवार के छेद में से मशीन पर रखना है एटीएम कार्ड, उसके बाद ही टोंटी से निकलेगा पानी : आरओ प्लांट की गली की साइड की दीवार में एक छेद किया गया है। इस छेद में एटीएम रखना है। एटीएम कार्ड वहां मशीन पर टिकेगा। उसके बाद मशीन के सेंसर काम करेंगे और दीवार में लगी टोंटी में से पेयजल अपने आप ही बाहर आएगा।

बैंक के चीफ जनरल मैनेजर अभिमन्यु करेंगे उद्घाटन

पेयजल योजना का उद्घाटन करने के लिए कोलाकाता से यूको बैंक के चीफ जनरल मैनेजर अभिमन्यु रजक आएंगे। यह योजना यूको बैंक द्वारा सरकार की सीएसआर एक्टीविटी के तहत शुरू की गई है। उद्घाटन समारोह में हरियाणा सरस्वती हैरिटेज डवलपमेंट बोर्ड के सीईओ डॉ. कुमार सुप्रवीन आईएएस, चंडीगढ़ से बैंक की जोनल हैड मिलन दुबे, रिसोर्स हैड जीतिन शर्मा, पंचकूला ब्रांच हैड दृष्टि वोहर शामिल होंगे। यूको बैंक जल्द ही इन आरओ प्लांट का शुभारंभ करेगा। इस योजना को सिरे चढाने का श्रेय ग्राम विकास समिति मदीना गिंधराण के प्रधान जयभगवान दांगी को जाता है। उन्होंने इसके लिए दो साल तक कड़ी मेहनत की है। उन्होंने हरियाणा वाटर रिसॉर्स अथोरिटी से संपर्क किया। ईआईसी सतबीर कादयान से मिले। सरस्वती हैरिटेज डवलपमेंट बोर्ड के सीईओ डॉ. कुमार सुप्रवीन (आईएएस) और यूको बैंक पंचकूला के अधिकारियों से संपर्क साधा। यूको बैंक इस योजना को लागू करने पर राजी हो गया। यूको बैंक ने इस प्रोजेक्ट पर करीब साढ़े चार लाख रुपए खर्च किए हैं। ग्रामीणों ने भी इस स्कीम में सहयोग किया है। गांव के प्राचीन शिव मंदिर में लगाए गए आरओ प्लांट पर समाजसेवी रमीकेश दांगी ने 30 हजार खर्च करके टीन शैड लगवाया है। गांव के बस स्टैंड के पास चौपाल में लगाए गए आरओ प्लांट पर फरीदाबाद में रह रहे गांव के आईआईटीयन सुनील दांगी ने शेड का निर्माण करवाया है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट पर 22500 खर्च किए हैं।

यूको बैंक ने सपना पूरा किया: जयभगवान

ग्राम विकास समिति मदीना गिंधराण के प्रधान जयभगवान दांगी ने बताया कि उनका सपना था कि उनके गांव के लोगों को पीने के लिए स्वच्छ पेयजल मिले। यूको बैंक ने उनका यह सपना पूरा कर दिया है। इसमें सरस्वती हैरिटेड बोर्ड के सीईओ आईएएस अधिकारी डॉ. कुमार सुप्रवीन का विशेष सहयोग रहा है। 20 अप्रैल के आस पास इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन होने जा रहा है। उपयोगकर्ताओं से लिए जा रहे पैसे को बैंक में जमा होंगे। पैसा प्लांट के मैंटिनेंस पर खर्च करेंगे।

रोहतक। गांव करौंथा में फील्ड विजिट कर फसल कटाई प्रयोगों का निरीक्षण करते संयुक्त निदेशक ओमप्रकाश गोदारा व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

अफसरों ने किया फसल बीमा योजना के तहत कटाई प्रयोगों का निरीक्षण

रोहतक। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मंगलवार को जिला रोहतक में रबी फसलों के फसल कटाई प्रयोगों का कार्य जारी है। कृषि उप निदेशक डॉ. सुरेंद्र मलिक द्वारा फील्ड स्टाफ की ड्यूटी तय कर दी गई है, जिससे सभी प्रयोग समयबद्ध तरीके से पूरे हो सकें। इसी क्रम में संयुक्त निदेशक ओमप्रकाश गोदारा मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर रोहतक पहुंचे। उन्होंने सांपला ब्लॉक के गांव खेड़ी साध, कारोर और रोहतक ब्लॉक के गांव करौंथा में फील्ड विजिट कर फसल कटाई प्रयोगों का निरीक्षण किया। मौके पर 5×5 मीटर क्षेत्र में कटाई कराकर उत्पादकता का आकलन भी किया गया। गोदारा ने निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी प्रयोगों को गंभीरता और सावधानी से पूरा करें, ताकि आंकड़ों की पूर्ण शुद्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि रबी सीजन में गेहूं, सरसों, जौ और चना जैसी बीमित फसलों के लिए प्रत्येक गांव में चार-चार प्रयोग करना अनिवार्य है। गेहूं व सरसों में स्मार्ट सैंपलिंग तथा अन्य फसलों में रेंडम नंबर प्रणाली से खेतों का चयन किया जाता है। प्रयोग के दौरान कृषि विभाग, बीमा कंपनी प्रतिनिधि और किसान की मौजूदगी में औसत पैदावार का आंकलन किया जाता है। सभी आंकड़े मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज कर पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है।

सभी कर्मचारी प्रयोगों को गंभीरता और सावधानी से पूरा करें

बाबा साहेब की जयंती पर जिलेभर में हुए कार्यक्रम, भारतीय संविधान के निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को किया याद

सामाजिक न्याय और समानता के प्रतीक थे डॉ. भीमराव आंबेडकर

भारतीय संविधान के शिल्पकार और लोकतंत्र की मजबूत नींव रखने वाले महान व्यक्तित्व थे डॉ. आंबेडकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता।

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर उपायुक्त सचिन गुप्ता ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर भारतीय संविधान के शिल्पकार और लोकतंत्र की मजबूत नींव रखने वाले महान व्यक्तित्व थे।

उपायुक्त ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने अपना पूरा जीवन सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के प्रसार के लिए समर्पित किया। उन्होंने समाज में व्याप्त छुआछूत, भेदभाव और अन्याय के खिलाफ आजीवन संघर्ष करते हुए वंचित और शोषित वर्गों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का मार्ग दिखाया।

गुप्ता ने कहा कि भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ. आंबेडकर का योगदान अतुलनीय है। उनके द्वारा निर्मित संविधान ने देश को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की सुदृढ़ आधारशिला प्रदान की, जो आज भी राष्ट्र की दिशा तय कर रही है।

उपायुक्त ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के आदर्शों पर चलकर ही एक समरस, न्यायपूर्ण और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। उनके विचार केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य दोनों के लिए मार्गदर्शक हैं।

शिक्षित बनो

डीसी ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे डॉ. आंबेडकर के विचारों को अपने जीवन में अपनाएं। "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस दौर में था जब समाज परिवर्तन की लौ जल रही थी।

डैहरी मोहल्ला में श्रद्धा-उल्लास से मनाई आंबेडकर जयंती, एकता और जागरूकता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डैहरी मोहल्ला स्थित चौपाल में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती बड़े हर्षोल्लास, श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई गई। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा और कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मेयर मनमोहन गोयल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में नौराता मल भटनागर, पार्षद नीरा भटनागर,पार्षद आशालता और गौकर्ण मंडल के युवा अध्यक्ष गोविंद राजपुरोहित शामिल रहे। सभी अतिथियों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन संघर्ष, उनके द्वारा रचित संविधान और सामाजिक समानता के संदेश पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा को अपनाएं और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें। कार्यक्रम के दौरान "शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो" का संदेश लगातार गूंजता रहा, जिसने उपस्थित लोगों में नई ऊर्जा का संचार किया। आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता, भाईचारे और जागरूकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। यह आयोजन डैहरी मोहल्ला के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बना।

रोहतक। डैहरी मोहल्ला स्थित चौपाल में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते मुख्य अतिथि पूर्व मेयर मनमोहन गोयल,पार्षद आशालता,नौराता मल भटनागर व कॉलोनीवासी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर दलबीर बह्ममनिया, राजेश चहल, महिपाल, सोनू , दलबीर पेटर, रत्न सोहेल, अकल सिंह, रत्न बादल, राज सिंह, जयंती देवी, विमला, राजबाला, राजो, जसवंत मौजूद रहे।

एचडी स्कूल बहुअकबरपुर में मनाई बैसाखी रोल प्ले से दिखाया डॉ. आंबेडकर का संघर्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एचडी पब्लिक स्कूल बहुअकबरपुर में बैसाखी पर्व एवं आंबेडकर जयंती के अवसर पर भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा 4 ट्यूलिप के विद्यार्थियों की सुंदर प्रस्तुति से हुई, जिसने माहौल को उत्साह से भर दिया। इसके बाद कक्षा 5 से 8 की छात्राओं ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन पर आधारित प्रभावशाली रोल प्ले रहा, जिसने दर्शकों को उनके संघर्ष, विचारों और उपलब्धियों से प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर सुरेंद्र सिंह फौगाट, अकादमिक डायरेक्टर कृष्णा फौगाट तथा प्राचार्य दुलाल देब विशेष रूप से उपस्थित रहे। डायरेक्टर सुरेंद्र सिंह फौगाट ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बैसाखी केवल फसल कटाई का पर्व नहीं, बल्कि यह मेहनत, समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक है।

उन्होंने छात्रों को अनुशासन और परिश्रम को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने भीमराव आंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे समानता, शिक्षा और अधिकारों के प्रतीक थे। विद्यार्थियों को शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार मानकर आगे बढ़ने और समाज में न्याय व समानता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिससे विद्यार्थियों में देशभक्ति और त्याग की भावना को बल मिला। इस आयोजन ने विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, इतिहास और महान व्यक्तित्वों के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

आंबेडकर जयंती पर श्रद्धांजलि दौड़ से किया लोगों को जागरूक

रोहतक। मंगलवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर के 135वें जन्मदिवस के अवसर पर रोहतक रनर्स ग्रुप द्वारा श्रद्धांजलि दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ का नेतृत्व वेटेरन एथलीट रामफल फोगाट ने किया। दौड़ की शुरुआत सुबह 7 बजे छोटू राम स्टेडियम से हुई। इसमें शामिल सभी धावक स्टेडियम से आंबेडकर चौक तक दौड़ते हुए पहुंचे और वहां स्थापित डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके बाद सभी धावक वापस दौड़ते हुए स्टेडियम पहुंचे। इस आयोजन में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों और सामाजिक लोगों ने भाग लिया। प्रमुख रूप से बिमला बनवाला, वंशिका मलिक, मिथलेश हुड्डा, हार्दिक हुड्डा, तुलसी लखेरा, जितेंद्र हुड्डा, अशोक यादव, रमेश हुड्डा, रणबीर मलिक, जितेंद्र गहलावत, बलराज सिंह तोमर, नवनीत हुड्डा, कपिल एएसआई, आनंद दलाल, रविंद्र सिवाच, कोच रोहित राठी, फौजी अमित कादयान, धर्म सिंह और अरविंद पाल दहिया सहित कई धावक मौजूद रहे। इस दौड़ का उद्देश्य डॉ. आंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और युवाओं को फिटनेस के प्रति जागरूक करना रहा।

हजरस ने किया डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण, शिक्षा का महत्व समझाया

रोहतक। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के 135वें जन्मदिन पर मंगलवार को राजकीय अनुसूचित जाति अध्यापक संघ (हजरस) ने उनके स्टैच्यू पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्य प्रधान डॉ. दिनेश निम्बड़िया ने कहा कि बाबा साहब ने न केवल स्वतंत्र भारत के संविधान की रचना की, बल्कि शोषित, वंचित, पिछड़े वर्गों और महिलाओं के अधिकारों की मजबूत नींव भी रखी। उन्होंने लोकतंत्र और मतदान के अधिकार को जन-जन तक पहुंचाया।उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल को बाबा साहब की जयंती विश्व स्तर पर मनाई जा रही है। कोलम्बिया यूनिवर्सिटी अमेरिका में उनकी प्रतिमा कोसिंबल ऑफ नॉलेज" का दर्जा मिलना उनकी वैश्विक पहचान को दर्शाता है। इस मौके पर शिक्षा को महत्व देते हुए उनके कथन "शिक्षा शेरनी का दूध है" को दोहराया गया। कार्यक्रम में हरिनिवास भट्टी, देवेंद्र चहल, नरेश गहलोत सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मोरखेड़ी में बाबा साहेब को श्रद्धांजलि और लोगों को समानता का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मोरखेड़ी गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में ग्रामीणों व समाज के विभिन्न वर्गों ने भाग लेकर बाबासाहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेवी राजेश फौगाट उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर ब्लॉक समिति सदस्य रमेश उर्फ बुल्ला ने शिरकत की। इस दौरान ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। फौगाट ने कहा कि डॉ. आंबेडकर केवल किसी एक वर्ग के नेता नहीं थे, बल्कि पूरे देश के मार्गदर्शक थे। उन्होंने वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष किया और सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी। उन्होंने लोगों से उनके विचारों को अपनाने का आह्वान किया।

धर्मपाल ने कहा कि बाबासाहेब द्वारा रचित संविधान देश को एकता और समानता के मार्ग पर आगे बढ़ाता है। उन्होंने ग्रामीणों से शिक्षित, संगठित और संघर्षशील बनने का संदेश दिया।

न्यू हरियाणा स्कूल में डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन के बारे में बताया

रोहतक। प्रीत विहार कॉलोनी स्थित न्यू हरियाणा स्कूल में डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके की गई। विद्यालय के निर्देशक जे. एस बूरा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. आंबेडकर के जीवन, उनके संघर्ष और उनके महान कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को शिक्षा का महत्व समझाते हुए उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा भाषण, नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्हें सभी ने बहुत सराहा। पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्रों में उत्साह और जोश देखने को मिला। अंत में कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ और सभी को डॉ. आंबेडकर के विचारों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उप प्राचार्या सोनिया, पूजा, मोनिका, कविता, यशपाल मौजूद रहे।

कांग्रेस को दलित विरोधी मानते थे डॉक्टर आंबेडकर : मनीष ग्रोवर

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सहकारिता एवं शहरी निकाय राज्य मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ आंबेडकर चौक स्थित डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के स्टैचू पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने बाबा साहेब के सामाजिक न्याय, समानता और संविधान निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर कांग्रेस को दलित विरोधी मानते थे। डॉ आंबेडकर को चुनाव हरवाने में कांग्रेस की पूरी भूमिका थी। पूर्व मंत्री ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने देश को एक मजबूत संविधान दिया, जो सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर प्रदान करता है।

आंबेडकर भवन महम में धूमधाम से मनाई बाबा साहेब की 135वीं जयंती

महम। आंबेडकर भवन महम में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया और वहां पर मौजूद लोगों ने उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। सभी वक्ताओं ने बाबा साहेब के संविधान निर्माण और समाज के उत्थान में दिए गए योगदान को याद किया। भाजपा नेता अजीत अहलावत ने बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डाला और कहा कि महापुरुष किसी एक समाज के नहीं होते। वे सभी के सांझे होते हैं। हम सबको उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

आंबेडकर जयंती के कार्यक्रम में सभी वर्गों के लोगों ने भाग ले दिखाई एकता

- नेहरू कॉलोनी स्थित आंबेडकर भवन में हुआ कार्यक्रम

रोहतक। नेहरू कॉलोनी स्थित आंबेडकर भवन में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर देशी घी का विशाल भंडारा भी लगाया गया, जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने भाग लेकर सामाजिक एकता का परिचय दिया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से डॉ. आंबेडकर के संघर्ष और संविधान निर्माण में उनके योगदान को दर्शाया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा उपस्थित रहे। उनके साथ विधायक भारत भूषण बत्रा, गीता भुक्कल, शकुंतला खटक, बलराम दांगी, इंदूराज नरवाल, सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने शिक्षा और संघर्ष के बल पर देश को मजबूत संविधान दिया और समाज में समानता का मार्ग प्रशस्त किया। उनके विचारों को अपनाकर ही समाज में न्याय और भाईचारा कायम रखा जा सकता है।

अक्षय तृतीया 19 को, कालिदास धाम में मनेगा भगवान परशुराम जन्मोत्सव

सांपला। सांपला के प्रसिद्ध धाम बाबा कालिदास आश्रम में आगामी 19 अप्रैल को आयोजित होने वाले भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। भगवान परशुराम सर्वसमाज की ओर से होने वाले इस आयोजन को लेकर लोगों में उत्साह है। इस बारे में जानकारी देते हुए सर्व समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर कालिदास धाम में भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसमें देश भर से धर्म प्रेमियों के पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल बना हुआ है इसी कड़ी में मंगलवार बाबा कालिदास ने आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार रथ क्षेत्र के विभिन्न गांवों और शहरों में जाकर महिला सत्संग मंडलियों को धर्म रक्षक सम्मान कार्यक्रम के लिए आमंत्रित करेगा तथा 36 बिरादरी व सर्व समाज की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनसंपर्क अभियान चलाएगा। कार्यक्रम के आयोजक जितेंद्र कुलताना ने बताया कि इस आयोजन में कई प्रदेशों से भगवान परशुराम की विचारधारा से जुड़े नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है, जिससे कार्यक्रम को व्यापक स्वरूप दिया जा सके।

आंबेडकर जयंती पर एमडीयू में कुलपति का संदेश: सामाजिक न्याय की शुरुआत कक्षा से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. मिलाप पुनिया ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने जातिवाद मुक्त समाज की परिकल्पना की और भारतीय संविधान को उसी विचारधारा के आधार पर गढ़ा। उन्होंने हर वर्ग और हर व्यक्ति को समान अवसर देने का अधिकार सुनिश्चित किया, जिससे भारत का संविधान विश्व के श्रेष्ठतम संविधानों में शामिल हुआ। कुलपति ने संविधान को जनता की आत्मा बताते हुए कहा कि सामाजिक न्याय की असली शुरुआत कक्षा से होती है। डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर एमडीयू में विधि विभाग एवं डॉ आंबेडकर चेयर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुष्पांजलि समारोह में कुलपति प्रो. मिलाप पुनिया ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज के दौर में डॉ. आंबेडकर के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। शिक्षकों और विद्यार्थियों को चाहिए कि वे उनके सिद्धांतों को केवल पढ़ें ही नहीं, बल्कि अपने व्यवहार में भी उतारें। एक समतामूलक समाज के निर्माण में शिक्षा की भूमिका निर्णायक है और विश्वविद्यालयों को इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभानी होगी।

कार्यक्रम पं. भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में मनाई आंबेडकर जयंती

समाज बदलने की शक्ति है शिक्षा : डॉ. अग्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पीजीआईएमएस एससी/एसटी एम्प्लॉयीज वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा मंगलवार को पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई।

इस अवसर पर कुलपति डॉ एचके अग्रवाल मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ एस के सिंघल, डीन डॉ अशोक चौहान, चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुंदन मित्तल एवं डीन छात्र कल्याण डॉ सविता सिंघल भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। कुलपति डॉ एच के अग्रवाल ने कहा कि आज हम एक ऐसे महान व्यक्तित्व को नमन करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने न केवल भारत के संविधान का निर्माण किया, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों की मजबूत नींव रखी। डॉ आंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और संकल्प का अद्वितीय उदाहरण है। एक साधारण परिवार में जन्म लेकर उन्होंने असाधारण उपलब्धियां हासिल कीं।

कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि डॉ आंबेडकर ने कहा था- शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। एक स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के रूप में हमारा दायित्व है कि हम ऐसे संवेदनशील नागरिक तैयार करें जो समाज के हर वर्ग के प्रति समान भाव रखें। हमें सुनिश्चित करना होगा कि स्वास्थ्य सेवाएँ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें। डॉ आंबेडकर का सपना एक ऐसे भारत का था जहाँ जाति, धर्म, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर कोई भेदभाव न हो। डॉ अशोक चौहान ने कहा कि जब बाबा साहेब को कक्षा के अंदर बैठने का अवसर मिला तो वो किसी से पीछे नहीं रहे और पूरे देश का नाम रोशन किया। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में बाबा साहेब को सबसे श्रेष्ठ स्थान पर रखा जाता है। उनके क्रांतिकारी विचारों ने समाज को सोचने के लिए मजबूर किया, उसी सोच का नतीजा है कि आज हम सब यहां पहुंचे हैं। बाबा साहेब ने अपने लिए कभी कुछ नहीं किया, उन्होंने हमेशा सारे समाज को बराबर मान कर काम किया।

पीजीआई में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल को सम्मानित करते एससी/एसटी एम्प्लॉयीज वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

महापुरुषों का जीवन किसी समाज से नहीं बंधा होता

निदेशक डॉ एस के सिंघल ने कहा कि महापुरुषों का जीवन किसी समाज से नहीं बंधा होता। सदियों में ऐसे अवतार जन्म लेते हैं फिर ये अमर हो जाते हैं। आज समाज का स्वरूप देख रहे हैं। अच्छा देखें, उसी में सुख है। हमारे आसपास अच्छाई और बुराई दोनों होती हैं, सिर्फ अच्छाई देखें।

बाबा साहेब ने निराशा को हावी नहीं होने दिया

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीन डॉ अशोक चौहान ने कहा कि डॉ अग्रवाल मेरे सहपाठी रहे हैं, उनके साथ रहा हूं। ये बाबा साहेब के ही विचारों का असर है कि हम आज यहां बैठे हैं। जब डॉ आंबेडकर पैदा हुए उस समय सामाजिक व्यवस्था क्या थी, हर कोने में जीवन के हर अवसर पर गैर बराबरी तरीके से अवलोकन किया जाता था। लेकिन डॉ आंबेडकर की शख्सियत ऐसी थी, उन्होंने निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर कुंदन मित्तल, सेक्रेटरी संजीव कुमार,आर के रंगा, कुलदीप सिंह, डॉ प्रियंका, डॉ वंदना, डॉ सोनिया दहिया, डॉ सुधा, डॉ अनुपमा, विनोद चहल,तारीफ सिंह,संजय , अजीत कुमार, सुषमा, मुकेश खटक पवन,गुरुमुख सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चिकित्सक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रिटौली में आंबेडकर जयंती पर समारोह

रोहतक। गांव रिटौली में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आंबेडकर समिति द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी डॉ. संदीप कटारिया ने शिरकत की। मंच संचालन दिलावर मेहरा ने किया।

समारोह में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों की बड़ी भागीदारी रही, जिससे कार्यक्रम उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक बन गया। अपने संबोधन में डॉ. संदीप कटारिया ने युवाओं के लिए कौशल आधारित एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा को आवश्यक बताते हुए इसे समय की जरूरत बताया। उन्होंने समाज में एकता, समरसता और भाईचारे को मजबूत करने का आह्वान करते हुए बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

एसपी से कम नहीं म्हारे थानेदार, घूमा रहे लग्जरी कार

थानों में पुलिस गश्त के लिए वाहनों की कमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

थानों में पुलिस गश्त के लिए वाहनों की कमी हो गई है लेकिन म्हारे थानेदार भी एसपी से कम नहीं हैं और वे लग्जरी गाड़ियों में घूम रहे हैं। पुलिस विभाग में कंडम हो चुके वाहनों के चलते गश्त, आपातकालीन सेवाओं और रोजमर्रा की ड्यूटी में बाधाएं आ रही हैं। पुलिस विभाग ने मुख्यालय से नए वाहनों की मांग की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। हालात ऐसे हैं कि चार थानों में तो गश्त के लिए गाड़ी तक मुहैया नहीं है। अब आप अंदाजा लगा सकते हैं कि पुलिस कैसे काम कर रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, रोहतक पुलिस के पास पहले 32 इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल (ईआरवी) थीं, जिनमें से अब केवल 28 ही काम कर रही हैं। बाकी वाहन खराब होकर खड़े हैं या पूरी तरह कंडम हो चुके हैं। इसी तरह राइडर मोटरसाइकिलों की स्थिति और भी चिंताजनक है। पहले 28 राइडर बाइक उपलब्ध थीं, लेकिन अब सिर्फ 12 ही चालू हालत में हैं। ऐसे में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता पर असर पड़ रहा है।पुलिस सूत्रों के मुताबिक स्थिति यह है कि जिले के चार थानों में गश्त के लिए एक भी वाहन उपलब्ध नहीं है। इन थानों में लाखनमाजरा, सिविल लाइन, आईएमटी, बहुअकबरपुर आदि शामिल हैं। इन थानों में तैनात पुलिसकर्मियों को या तो निजी साधनों का सहारा लेना पड़ता है या अन्य थानों से वाहन मांगकर काम चलाना पड़ता है। इससे न केवल समय की बर्बादी होती है, बल्कि आपात स्थिति में प्रतिक्रिया देने में भी देरी होती है। हालांकि एसएचओ के पास एक ही गाड़ी है।

» चार थानों में तो गश्त के लिए गाड़ी तक मुहैया नहीं विभाग ने मुख्यालय से मांगे नए वाहन

» कंडम हो रहे पुलिस के वाहन , नए वाहनों का इंतजार, आपातकालीन सेवाओं और रोजमर्रा की ड्यूटी में आ रही बाधाएं

रास्ते में ही खराब हो जाते हैं वाहन

कई थानों में तो एसएचओ के लिए निर्धारित वाहन के अलावा कोई अतिरिक्त गाड़ी नहीं है। ऐसे में अगर किसी मामले में टीम को मौके पर जाना हो, तो बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने में यह स्थिति गंभीर चुनौती बनती जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लंबे समय से नए वाहन नहीं मिले हैं। पुराने वाहनों का लगातार उपयोग और अपर्याप्त रखरखाव के कारण वे जर्जर हो चुके हैं। मरम्मत पर भी काफी खर्च हो रहा है, लेकिन उसके बावजूद वाहन ज्यादा समय तक चल नहीं पा रहे। कई बार बीच रास्ते में ही वाहन खराब हो जाते हैं, जिससे पुलिसकर्मियों को असुविधा होती है। जिसके कारण काम प्रभावित होता है और वे समय पर गंतत्वय तक नहीं पहुंच पाते।

कार्यक्षमता हो रही प्रभावित

विभाग की ओर से पुलिस मुख्यालय को कई बार पत्र लिखकर नए वाहनों की मांग की जा चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे शहर का विस्तार हो रहा है और जनसंख्या बढ़ रही है, उसी अनुपात में पुलिस संसाधनों की जरूरत भी बढ़ रही है। लेकिन वाहनों की कमी के कारण पुलिस की कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का भी मानना है कि अगर पुलिस के पास पर्याप्त वाहन नहीं होंगे, तो अपराध पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो जाएगा। गश्त कम होने से असामाजिक तत्वों के हौसले भी बढ़ सकते हैं। अब सभी की नजरें पुलिस मुख्यालय पर टिकी हैं कि कब तक रोहतक पुलिस को नए वाहन उपलब्ध कराए जाते हैं। पुलिसकर्मी सीमित संसाधनों में ही अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हालात जल्द सुधरे, यही उम्मीद की जा रही है।

दिल्ली रोड: धूल और अव्यवस्थित ट्रैफिक ने बढ़ाई परेशानी

एक दिन काम, आठ दिन आराम कछुआ गति से चल रहा काम

दिल्ली रोड पर 1400 मीटर लंबी सड़क का होना है निर्माण

आसपास के दुकानदारों और राहगीरों को सांस लेने में हो रही दिक्कत

आठ माह का समय पूरा करके ही मानेगा ठेकेदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दिल्ली रोड पर चल रहा 1400 मीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य इन दिनों स्थानीय लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। करीब 1.64 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही इस सड़क पर कछुआ गति से कार्य चल रहा है। निर्माण के दौरान उठ रही धूल और अव्यवस्थित ट्रैफिक ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। ठेकेदार एक दिन काम कर रहा है और आठ दिन आराम कर रहा है। हालात देखकर ऐसा लग रहा है कि ठेकेदार आठ माह में ही निर्माण कार्य पूरा करके मानेगा। लोगो का कहना है कि सड़क कई महीनों से टूटी हुई पड़ी थी, जिससे पहले ही आवागमन में दिक्कतें आ रही थीं। अब जब निर्माण कार्य शुरू हुआ है तो उम्मीद थी कि राहत मिलेगी, लेकिन स्थिति और बिगड़ गई है। निर्माण स्थल पर उचित पानी का छिड़काव नहीं होने के कारण धूल के गुबार लगातार उड़ रहे हैं, जिससे आसपास के दुकानदारों और राहगीरों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। कई लोग खांसी, एलर्जी और सांस संबंधी बीमारियों की शिकायत कर रहे हैं।

श्वसन रोगों का खतरा बढ़ा

लोगों का कहना है कि लगातार धूल के संपर्क में रहने से दमा और अन्य श्वसन रोगों का खतरा बढ़ जाता है। खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह स्थिति ज्यादा खतरनाक साबित हो रही है। इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से धूल नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

वनवे मतलब जान जोखिम में

वहीं, सड़क निर्माण के चलते हाईवे को फिलहाल वन वे कर दिया गया है, जिससे ट्रैफिक का दबाव एक ही दिशा में बढ़ गया है। इससे आए दिन जाम लग रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उचित संकेतक और ट्रैफिक प्रबंधन के अभाव में कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन अब भी लापरवाह बना हुआ है।दुकानदारों का भी कहना है कि धूल और जाम की वजह से उनके व्यापार पर बुरा असर पड़ रहा है। ग्राहक दुकानों तक आने से बच रहे हैं, जिससे उनकी आय में गिरावट आई है। कई दुकानदारों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है।

अधिकारियों का दावा, मिलेगी सुगम यातायात सुविधा

इस मामले में संबंधित अधिकारियों का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है और इसे आठ महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। उनका दावा है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लोगों को बेहतर और सुगम यातायात सुविधा मिलेगी। हालांकि, स्थानीय लोग इस आश्वासन से संतुष्ट नहीं हैं और तत्काल राहत की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान नियमित पानी का छिड़काव, उचित ट्रैफिक व्यवस्था और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं, ताकि परेशानियों को कम किया जा सके। फिलहाल, दिल्ली रोड पर निर्माण कार्य लोगों के लिए राहत से ज्यादा आफत बनता नजर आ रहा है।

याद बहुत आते हैं वो दिन...

सतीश ने बचपन से ही मेहनत को बना लिया था अपना साथी

दिन में स्कूल, फिर खेतों में काम और शाम को पढ़ाई, इसी संघर्ष ने व्यक्तित्व को बनाया मजबूत

गांव फारमाना खास के निवासी सतीश कुमार सहारण का जीवन संघर्ष, अनुशासन और समर्पण की एक प्रेरक मिसाल है। बचपन से ही उन्होंने मेहनत को अपना साथी बना लिया था। उनके पिता चाहते थे कि बेटा सरकारी नौकरी में जाए, इसलिए उन्होंने सख्ती और अनुशासन के साथ उन्हें आगे बढ़ाया। सतीश बताते हैं कि उनका बचपन आसान नहीं था। स्कूल में अध्यापकों का टंडा, घर पर पिता के लठ की धुन व डांट-डपट और मां का सुबह जल्दी जगा देना यह सब उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। दिन में स्कूल, फिर खेतों में काम और शाम को पढ़ाई इसी संघर्ष ने उनके व्यक्तित्व को मजबूत बनाया। उनकी मेहनत रंग लाई और उन्होंने भारतीय वायुसेना में भर्ती होकर देशसेवा का सपना साकार किया। वायुसेना में रहते हुए उन्होंने पूरी निष्ठा, ईमानदारी और लगन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। उनकी काबिलियत और समर्पण को देखते हुए उन्हें फ्लाइंग ऑफिसर के पद से

सतीश कुमार

सम्मानित किया गया, जो उनके जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण रहा। परिवार सतीश कुमार के जीवन की सबसे बड़ी ताकत रहा है। उनके दो बेटे हैं, जो इंजीनियर हैं, और उनकी दोनों बहुएं भी इंजीनियर हैं। अपने बच्चों की इस सफलता पर उन्हें गर्व है कि उन्होंने शिक्षा और संस्कार दोनों में अच्छा मुकाम हासिल किया। आज सतीश कुमार सेवानिवृत्त जीवन जी रहे हैं और अपने परिवार के साथ पल बिता रहे हैं। उनके जीवन की सबसे बड़ी खुशी अब उनके पोते-पोतियां हैं। उनके साथ खेलना, हंसना, कहानियां सुनाना और उनकी मासूम शरारतों को देखना उन्हें अपार खुशी देता है। सतीश कुमार की सोच सरल लेकिन गहरी है मेहनत करो, ईमानदारी से काम करो और अपने देश व परिवार का नाम रोशन करो। आज जब वे अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो उन्हें गर्व और संतोष दोनों महसूस होता है।

गलती करने पर पिता ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, सख्ती में छिपा था प्यार

मेरा नाम प्रवीण है और मेरा बचपन अनुशासन और सख्ती के बीच बीता। मेरे पिता का स्वभाव काफी कड़ा था। वे चाहते थे कि मैं जीवन में कुछ बड़ा करूं, इसलिए उन्होंने मुझे कभी ढील नहीं दी। कई बार उन्होंने मुझे गलती करने पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा भी, जो उस समय मुझे बहुत बुरा लगता था। बचपन में मैं उनकी सख्ती को समझ नहीं पाता था और अक्सर मन में डर और नाराजगी रहती थी। लेकिन समय के साथ मुझे एहसास हुआ कि उनका हर कदम मेरे भविष्य को बेहतर बनाने के लिए था। उन्होंने मुझे मेहनत, अनुशासन और जिम्मेदारी का महत्व सिखाया। उनकी सख्ती का ही परिणाम है कि आज मैं एक सरकारी नौकरी में हूं और अपने पैरों पर खड़ा हूं। अगर उन्होंने मुझे उस समय ढील दी होती, तो शायद मैं आज इस मुकाम तक नहीं पहुंच पाता। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो अपने पिता की उस सख्ती में छिपा प्यार और चिंता साफ नजर आती है। अब मुझे गर्व होता है कि उन्होंने मुझे सही रास्ते पर चलाया, भले ही उनका तरीका थोड़ा कठोर था।

खेती ने मुझे धैर्य, जिम्मेदारी और मेहनत का असली अर्थ सिखाया

मेरा नाम विजेंद्र सैनी है। मेरा जीवन मेहनत, संघर्ष और संतोष की एक सरल लेकिन प्रेरक कहानी है। बचपन से ही मैंने मेहनत करना सीख लिया था। गांव के माहौल में पला-बढ़ा, जहां पढ़ाई के साथ-साथ खेतों में काम करना भी मेरी दिनचर्या का हिस्सा था। सुबह जल्दी उठकर खेतों में हाथ बंटाना और फिर स्कूल जाना यही मेरा रोज का नियम था। खेती ने मुझे धैर्य, जिम्मेदारी और मेहनत का असली अर्थ सिखाया। हालांकि संसाधन सीमित थे, लेकिन आगे बढ़ने का जज्बा हमेशा मजबूत रहा। पढ़ाई के प्रति लगन बनाए रखी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी शिक्षा पूरी की। मेहनत और लगन का ही परिणाम था कि मुझे सरकारी नौकरी मिली। नौकरी के दौरान मैंने पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। यह मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था, जिसने मुझे स्थिरता और आत्मविश्वास दिया। अब मैं सेवानिवृत्त जीवन जी रहा हूं और अपने परिवार के साथ सुकून के पल बिता रहा हूं। मेरे जीवन की सबसे बड़ी खुशी अब मेरे पोते-पोते हैं। उनके साथ समय बिताना, खेलना, बातें करना और उनकी मासूम शरारतों को देखना मेरे दिन का सबसे अच्छा हिस्सा होता है। आज जब मैं अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखता हूं, तो संतोष और गर्व दोनों महसूस करता हूं।

डेंटल कैंप में 85 महिलाओं को जानकारी दी

रोहतक। जन सेवा संस्थान महिला वृद्ध आश्रम रोहतक में डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. अंजली, डॉ. परवेश एवं डॉ. शिवानी द्वारा श्रीनगर कॉलोनी रोहतक में एक डेंटल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में महिला वृद्धाश्रम में रहने वाली 85 महिलाओं ने भाग लिया । डॉ शिवानी द्वारा दातों एवं मुख से संबंधित बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें उचित देखभाल के बारे में भी जागरूक किया गया।कैंप के दौरान सभी महिलाओं को टूथब्रश एवं टूथपेस्ट का वितरण भी किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

दमकल कर्मचारियों के समर्थन में उतरे रोडवेज कर्मी, जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन मुख्यालय में आयोजित आपात बैठक में दमकल विभाग के कर्मचारियों के समर्थन में बड़ा फैसला लिया गया। बैठक की अध्यक्षता राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद ने की, जबकि संचालन महासचिव सुमेर सिवाच ने किया। यूनियन ने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार दमकल कर्मचारियों के आंदोलन को दबाने का प्रयास कर रही है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यूनियन नेताओं ने स्पष्ट किया कि रोडवेज के चालक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां नहीं चलाएंगे, क्योंकि उन्हें इस कार्य का अनुभव नहीं है और इससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। साथ ही, चालकों को फायर विभाग में भेजने से बस सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं, जिससे आम जनता को परेशानी उठानी पड़ रही है। बैठक में यह भी कहा गया कि दमकल कर्मचारियों की लंबित मांगों—जैसे शहीद कर्मियों के परिजनों को मुआवजा व नौकरी, जोखिम भत्ता, पक्की नौकरी, मेडिकल सुविधा और पुरानी पेंशन—को सरकार लगातार नजरअंदाज कर रही है। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार जल्द वार्ता कर समाधान नहीं निकालती, तो रोडवेज कर्मचारी भी आंदोलन तेज करते हुए चक्का जाम करने को मजबूर होंगे।

नर्सिंग पेशा नहीं, मानव सेवा का माध्यम : प्रो. सुनीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विवि पीजीआईएमएस के नर्सिंग कॉलेज में मंगलवार को बीएससी नर्सिंग 8वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 7वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें उमंग को मिस फेयरवेल, ज्योति को मिस पर्सनैलिटी और प्रीति को मिस ब्यूटीफुल चुना गया। विजेताओं को कॉलेज प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य प्रो. सुनीता ने कहा कि कॉलेज का यह बैच हमेशा अनुशासन और सेवा भाव के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि नर्सिंग सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम है। आप जहां भी जाएं, मरीजों की देखभाल और संवेदनशीलता को हमेशा प्राथमिकता दें। प्रो. सुनीता ने 7वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों को सफल आयोजन के लिए बधाई भी दी।

कार्यक्रम के दौरान जूनियर छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और सीनियर बैच के साथ बिताए यादगार पलों को साझा किया। 8वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने कॉलेज और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज के सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रोहतक। फेयरवेल पार्टी में चयनित विद्यार्थियों के साथ नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य प्रो . सुनीता व अन्य टीचर।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

बस के लापरवाह ड्राइवर को लेकर लोगों में रोष

हरी सिटी बस बनी लाल खतरा

सुबह 11 बजे चलने वाली बस को लेकर लोग कई बार कर चुके शिकायत, नहीं हुई सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में यात्रियों को बेहतर और आरामदायक परिवहन सुविधा देने के उद्देश्य से चलाई जा रही सिटी बस सेवा अब लोगों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बनती जा रही है। खासकर सुबह करीब 11 बजे चलने वाली एक सिटी बस की लापरवाह ड्राइविंग को लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष है। सेक्टर 14 निवासी जयवीर और उदयभान ने बताया कि यह बस सड़क पर संतुलन खोती हुई, झूमते अंदाज में चलती है, जिससे आसपास चल रहे दोपहिया और अन्य वाहनों को टकराव का खतरा बना रहता है। सेक्टर-14 के निवासियों का कहना है कि इस समस्या को लेकर वे कई बार संबंधित विभाग में शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बस चालक यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए कहीं भी बस रोक देता है, जिससे न केवल ट्रैफिक बाधित होता है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है।शहर के विश्वविद्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में जाने वाले बच्चे इस बस से गुजरने के दौरान भय महसूस करते हैं। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित बस चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कोई शिकायत नहीं मिली

हमें अभी तक इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है। अगर शिकायत मिलती तो उसका तुरंत समाधान होता और चालक पर कार्रवाई होती। अब इसकी जांच की जाएगी और चालक लापरवाही से बस को चलाता हुआ मिला तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

-हंसराज, संस्थान प्रबंधक, रोडवेज डिपो

जमीन के मामलों में अब नहीं होगी गड़बड़ी, कोर्ट आदेशों का पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ कई मामलों में अदालतों के आदेशों का सही तरीके से पालन नहीं किया जा रहा था

प्रदेश में जमीन और संपत्ति से जुड़े मामलों को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। अब अदालतों और एनसीएलटी (राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण) से जुड़े सभी आदेशों का पंजीकरण अनिवार्य किया जाएगा।

इस कदम का सीधा फायदा आम लोगों को मिलेगा, जिन्हें अक्सर जमीन विवादों और अधूरी जानकारी के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सरकार के ध्यान में आया है कि कई मामलों में अदालतों के आदेशों का सही तरीके से पालन नहीं किया जा रहा था। खासकर एनसीएलटी के आदेशों और कुछ न्यायालयी फैसलों पर लागू होने वाली स्टाम्प ड्यूटी की अनदेखी की जा रही थी। नियमों के अनुसार, ऐसे मामलों में 1.5 प्रतिशत की दर से स्टाम्प शुल्क लिया जाना जरूरी है, लेकिन इसका पालन नहीं होने से राज्य के खजाने को नुकसान पहुंचा है। अब सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी आदेशों का सही तरीके से पंजीकरण सुनिश्चित करें और निर्धारित स्टाम्प शुल्क की वसूली भी पूरी पारदर्शिता के साथ की जाए।